

प्रेषक,

सुशील चन्द्र त्रिपाठी,
प्रमुख सचिव वित्त,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1—समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

2—समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश।

लखनऊ : दिनांक 21 अगस्त, 1999

विषय :- निजी जमा (वैयक्तिक लेखा खाता)/निक्षेप के सही वर्गीकरण के संबंध में।

महोदय,

वित्त (लेखा)
अनुभाग-1

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वैयक्तिक लेखा खाते के वर्गीकरण एवं रख-रखाव के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के संदर्भ में कोषागार स्तर से शासन के संज्ञान में लाया गया है कि प्रधान महालेखाकार, उत्तर प्रदेश के कार्यालय द्वारा शासन के निर्देशों से भिन्न वर्गीकरण एवं प्रक्रिया सम्बन्धी निर्देश दिये गये हैं। अतएव वैयक्तिक लेखा खाते/ निक्षेप के संचालन के संबंध में उत्पन्न कठिनाइयों के निराकरण हेतु दिनांक 03 अगस्त, 1999 को उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों द्वारा प्रधान महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद तथा उनके कार्यालय के अन्य अधिकारियों से इलाहाबाद में विचार-विमर्श किया गया। इसी क्रम में दिनांक 19 अगस्त, 1999 को हुई राज्य स्तरीय स्थायी समिति की बैठक में भी इस विषय में प्रधान महालेखाकार से विचार-विमर्श किया गया।

2—उपर्युक्त के संबंध में शासन द्वारा सपेक्ष विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है कि निजी जमा (वैयक्तिक लेखा खाता)/निक्षेप का वर्गीकरण संलग्न अनुलग्नक के अनुसार किया जायेगा। जिन प्रकरणों के बारे में अनुलग्नक में स्पष्ट व्यवस्था नहीं है, उदाहरण स्वरूप कम्पनी लॉ में गठित सार्वजनिक उपक्रम उन्हें 8443-800 अन्य जमा लेखा शीर्षक में वर्गीकृत किया जायेगा। संक्षेप में स्थिति निम्नवत है :-

1—सरकारी विभाग के वैयक्तिक लेखा खाते

मुख्य लेखा शीर्षक—8443 सिविल जमा के अधीन लघु शीर्षक—106 निजी जमा के अन्तर्गत।

2—विभिन्न निगमों के वैयक्तिक लेखा खाते

मुख्य लेखा शीर्षक—8443-800 अन्य जमा के अन्तर्गत शासन के अग्रिम निर्णय तक।

3—विश्वविद्यालयों तथा इस प्रकार की शैक्षिक संस्थाओं के वैयक्तिक लेखा खाते

मुख्य लेखा शीर्षक—8448 स्थानीय निधियों की जमा के अधीन लघु शीर्षक—110 शिक्षा निधियां।

4—परिषदों तथा स्थानीय निकायों के वैयक्तिक लेखा खाते

मुख्य लेखा शीर्षक—8448 के अधीन सुसंगत लघु शीर्षक के अन्तर्गत जैसा कि अनुलग्नक में दिया गया है विस्तृत विवरण बजट साहित्य की खण्ड-2 में भी उपलब्ध है।

मद 8443-106 को छोड़कर अन्य मदों में प्रति वर्ष नवीनीकरण हेतु महालेखाकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी न ही नियमानुसार आहरण हेतु शासन की अनुमति की आवश्यकता होगी।

3—अनुरोध है कि कृपया तदनुसार निजी जमा (वैयक्तिक लेखा खाता)/निक्षेप के सही वर्गीकरण के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्न : यथोपरि

भवदीय,
सुशील चन्द्र त्रिपाठी,
प्रमुख सचिव।

संख्या ए-1-1851 (1)/दस-99-10(1)/99, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

- 1—प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- 2—निदेशक, कोषागार, उ० प्र०, 1018 जवाहर भवन, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित है कि वे अपने स्तर से समस्त पी०एल०ए० संचालकों को सूचित करें।
- 3—समस्त वित्त नियंत्रक।
- 4—अपर निदेशक, वित्तीय सांख्यिकीय निदेशालय, उ० प्र०, 148 जवाहर भवन, लखनऊ।
- 5—समस्त मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
- 6—समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
- 7—सचिवालय के समस्त अनुभाग।

संलग्नक : यथोपरि

आज्ञा से,
सुनील कुमार,
विशेष सचिव।

मुख्य/उप-मुख्य शीर्ष
8443—सिविल जमा :

तथु शीर्ष

- 101 राजस्व जमा (1)
- 102 सीमा-शुल्क तथा अफीम जमा (2)
- 103 प्रतिभूति जमा (3)
- 104 सिविल न्यायालय जमा (4)
- 105 आपराधिक न्यायालय जमा
- 106 व्यक्तिगत जमा (5)
- 107 न्यास-व्याज निधि (6)
- 108 लोक निर्माण कार्य जमा
- 109 वन जमा
- 110 पुलिस निधि की जमा
- 111 अन्य विभागीय जमा
- 112 "भारत में क्रय आदि करने के लिए जमा (7)"
- 113 "विदेश में क्रय आदि करने के लिए जमा (8)"
- 114 निर्यात व्यापार जमा
- 115 सरकारी वाणिज्यिक उपक्रमों द्वारा की

- (छ) विभागों में तैनात उत्तराखण्ड वित्त एवं लेखा सेवा सेवार्थों के वरिष्ठतम अधिकारियों का धन वागित होना कि वे अपने विभाग के वित्तीय लेखा खातों की समुचित समीक्षा कर लें और यह सुनिश्चित करें कि वे खाते सही लेखा शीर्षक के अन्तर्गत खुले हैं और उनका संचालन वित्तीय नियमों के अनुरूप हो रहा है।

अनुरोध है कि उक्त का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

भवदीय,
(डी.एस. गिर्वाण)
सचिव

पत्र संख्या-121/XXVII (14)/2013 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रधान महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, भाजरा, देहरादून।
3. महालेखाकार (लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त अपर सचिव, वित्त व्यव नियंत्रण, उत्तराखण्ड शासन।
5. वित्त अनुभाग -7, उत्तराखण्ड शासन।
6. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
7. समस्त वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी उत्तराखण्ड।
8. समस्त कोषागार अधिकारी।

010

आज्ञा से,
(डी.एस. गिर्वाण)
सचिव

लता

80

26/7/13

A0

महत्वपूर्ण

पत्र संख्या-121/xxvii (14)/2013

प्रेषक,

डी०एस० गवर्नल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

वित्त आडिट प्रकोष्ठ

देहरादून, दिनांक: 12 जुलाई, 2013

विषय: विभागों में पी०एल०ए० के सही रख रखाव के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रधान महालेखाकार द्वारा पत्र संख्या: AC-D/PLA/2013-14/478 दिनांक: 25 जून, 2013 तथा पत्र संख्या: AC-D/2012-13/PLAS/950 दिनांक: 07.01.2013 द्वारा पी०एल०ए० खातों के रख रखाव में मुख्यतः निम्नलिखित अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है:-

1. विभागों जैसे नगरपालिका नरेन्द्रनगर, जिला पंचायत, रामेश्वर द्वारा एक मुश्त आधार पर सेल्फ के बैंक काटे जा रहे हैं। इस कार्यवाही से राजकीय धन का दुरुपयोग तथा पार्किंग ऑफ फण्ड सम्भावित है।

2. पी०एल०ए० लेखों का वार्षिक नवीनीकरण नहीं किया जा रहा है।

इस परिपेक्ष्य में अनुरोध है कि पी०एल०ए० खातों के सम्बन्ध में निम्नानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाये:-

(क) समस्त विभागों/संस्थाओं/निगमों/विश्वविद्यालयों/परिषदों/स्थानीय निकायों के पी०एल०ए० खातों के शासनादेश संख्या: एत-1-1851/दत्त-99-10(1)/99 दिनांक: 21 अगस्त 1999 के वर्गीकरण के अनुसार ही निम्नवत् खोला जायेगा:-

- ✓ i सरकारी विभाग के वैयक्तिक लेखा खाते मुख्य लेखा शीर्षक-8443-सिविल जमा के अधीन लघु शीर्षक-106-निजी जमा के अन्तर्गत।
- ii विभिन्न निगमों के वैयक्तिक लेखा खाते मुख्य लेखा शीर्षक-8443-800-अन्य जमा के अन्तर्गत।
- iii विश्व विद्यालयों तथा इस प्रकार की शैक्षिक संस्थाओं के वैयक्तिक लेखा खाते मुख्य लेखा शीर्षक-8443-स्थानीय निधियों की जमा के अधीन लघु शीर्षक-110-शैक्षणिक निधियां।
- iv परिषदों तथा स्थानीय निकायों के वैयक्तिक लेखा खाते मुख्य लेखा शीर्षक-8443 के अधीन सुसंगत लघु शीर्षक।

8443-106 को छोड़कर अन्य मदों में प्रति वर्ष नवीनीकरण हेतु महालेखाकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी तथा सरकारी विभागों के पी०एल०ए० खातों में जमा धनराशियों का विशेष परिस्थितियों में वित्त विभाग की अनुमति से अगले वित्तीय वर्ष के अन्त तक उपभोग करने की अनुमति दी जा सकती है, तथा उराके बाद में धनराशि लैप्स हो जायेगी।

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हक०) उत्तराखण्ड, देहरादून

(महालेखाकार भवन कौलागढ़, देहरादून-248195 फोन नं: 0135 2970866, फैक्स नं: 0135 2970867)

पत्रांक: ए०सी०डी०/ पी०एल०ए०/2019-20/539

दिनांक: 07/08/2019

3584
14-08-19

सेवा में,

अधिशाली अधिकारी,
नगर पालिका परिषद-रामनगर, नैनीताल,
उत्तराखण्ड।

लेखा

14/8/19

विषय: व्यक्तिगत लेखा खाता (पी०एल०ए०) के नवीनीकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्रांक:4278/2-लेखा अनु०/2019-20 दिनांक:08/05/2019 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे। इस सम्बन्ध में आपको अवगत कराना है कि राज्य सरकार के पत्र संख्या:121/XXVII(14)/2013 दिनांक:12 जुलाई 2013 के अनुसार सरकारी विभागों के, लेखाशीर्ष 8443-00-106 को छोड़कर, बाकी लेखाशीर्षों के P.L.A खातों की प्रत्येक वर्ष नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं है।

वर्ष 2018-19 के दौरान इलाहाबाद बैंक शाखा रामनगर में खाता संख्या- 50114801148 'राज्य वित्त आयोग' एवं खाता संख्या- 50159462485 'चौदहवा वित्त आयोग' में जमा आकड़ों के सापेक्ष भुगतान का शीर्षवार विवरण इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करे।

भवदीय

लेखाधिकारी

ए०सी०डिपोजिट अनुभाग

दिनांक: 07/08/2019

पत्रांक: ए०सी०डी०/ पी०एल०ए०/2019-20/540

प्रतिलिपि:

निदेशक कोषागार, 23-लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।

लेखाधिकारी

ए०सी०डिपोजिट अनुभाग